भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या:371

उत्तर देने की तारीख: **27/03/2023**

भारतीय भाषाओं को प्राचीन भाषा का दर्जा

†*371. **एडवोकेट ए.एम. आरिफ़:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऐसी भारतीय भाषाओं का ब्यौरा क्या है जिन्हें प्राचीन भाषा का दर्जा दिया गया है;
(ख) क्या सरकार ने प्राचीन भाषा से सम्बन्धित विभिन्न परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजनाएं कार्यान्वित की हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष हरेक प्राचीन भाषा के लिए प्रदान की गई धनराशि का भाषा-वार ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या सरकार को विगत तीन वर्षों के दौरान प्राचीन भाषा से सम्बन्धित परियोजनाओं के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

भारतीय भाषाओं को प्राचीन भाषा का दर्जा के संबंध में माननीय संसद सदस्य एडवोकेट ए.एम. आरिफ़ द्वारा दिनांक 27.03.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 371 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ): छह भारतीय भाषाओं नामतः संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है। सरकार की नीति शास्त्रीय भाषाओं सहित सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की है। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) चार शास्त्रीय भाषाओं जैसे कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओडिया सहित सभी भारतीय भाषाओं के प्रचार के लिए काम करता है। शास्त्रीय तमिल का विकास और प्रचार केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) द्वारा किया जाता है। भारत सरकार तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों के माध्यम से संस्कृत भाषा को बढ़ावा दे रही है। इन विश्वविद्यालयों को संस्कृत भाषा में अध्यापन और अनुसंधान के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है जिससे छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है और संस्कृत के शास्त्रीय पहलू से संबंधित किसी भी कार्य को करने के लिए कोई अलग से धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जाती है। विभिन्न शास्त्रीय भाषाओं के लिए प्रदान की गई धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है:

(रूपए लाख में)

भाषा	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
कन्नड़	107.00	108.00	106.50
तेलुगु	107.00	147.00	103.15
मलयालम	शून्य	8.00	63.97
तमिल	770.00	1200.00	1200.00
उड़िया	शून्य	8.00	58.38

(ङ) और (च): शास्त्रीय भाषा परियोजनाओं के संबंध में कोई अन्य प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। *****